MP Board Class 8th Sanskrit Solutions Chapter 4 नीतिश्लोकाः

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत(एक शब्द में उत्तर लिखो-)
(क) भार्या कीदृशी भवेत्? (पत्नी कैसी होनी चाहिए?)
उत्तर:
प्रियवादिनी। (प्रिय बोलने वाली)

(ख) विद्या कीदृशी भवेत्? (विद्या कैसी होनी चाहिए?)
उत्तर :
अर्थकरी। (धन का संग्रह कराने वाली)

(ग) युक्तं नीचस्य किं भवति? (उचित असमर्थ के लिए
क्या हो जाता है?)
उत्तर:
दूषणम्। (अनुचित)

(घ) मनुष्यः मृत्यु कथम् आपद्यते? (मनुष्य मृत्यु कैसे प्राप्त करता है?)
उत्तर:
मोहात्। (मोह से)

(ङ) मित्रं कदा जानीयात्? (मित्र को कब जानना चाहिए?)
उत्तर:
आपत्सु। (आपत्तियों में)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत(एक वाक्य में उत्तर लिखो-)
(क) अजीर्णे विषं किम्? (अपच में विष क्या है?)
उत्तर:
अजीर्णे भोजनं विषम्। (अपच में भोजन विष है।)

(ख) दारिद्र्यं कुत्र नास्ति? (दरिद्रता कहाँ नहीं है?)
उत्तर:
दारिद्र्यं उद्योगे नास्ति। (दरिद्रता परिश्रम में नहीं है।)

(ग) मानवः नित्यं किं विचिन्तयेत्? (मनुष्य को सदा क्या सोचना चाहिए?)
उत्तर:
मानवः नित्यं मे किं छिद्रं को सङ्गो किम् अविनिपातितम् कुतः दोषः ममाश्रयेद् इति विचिन्तयेत्। (मनुष्य को सदा मुझमें क्या बुराई है, क्या आसक्ति है, वह कौन-सी वस्तु है जो पतनशील नहीं है। मुझमें दोष कहाँ से आते हैं, यह सोचना चाहिए।)

(घ) गुणेषु कः करणीयः करणीयम्? (गुणों के उपार्जन हेतु क्या करना चाहिए?)
उत्तर:
गुणेषु यत्नः करणीयः। (गुणों के उपार्जन हेतु प्रयास करना चाहिए।)

(ङ) अनभ्यासे किं विषम्? (अभ्यास न करने पर क्या विष है?)
उत्तर:
अनभ्यासे शास्त्रम् विषम्। (अभ्यास न करने पर शास्त्र विष है।)

प्रश्न 3.
श्लोकांशान् यथायोग्यं योजयत(श्लोक के अंशों को ठीक-
ठीक जोड़ो-)

(अ)	(ब)
(क) मृत्युमापद्यते मोहात्	(i) विषं शङ्करभूषणम्
(ख) गुणेषु क्रियतां यत्नः	(ii) सत्येनापद्यतेऽमृतम्
(ग) अनभ्यासे विषं शास्त्रम्	(iii) जपतो नास्ति पातकम्
(घ) अमृतं राहवे मृत्युः	(iv) किमाटोपैः प्रयोजनम्
(ङ) उद्योगे नासति दारिद्र्यम्	(v) अजीर्णे भोजनं विषम्।

उत्तर:
(क) → (ii)
(ख) → (iv)
(ग) → (v)
(घ) → (i)
(ङ) → (iii)

प्रश्न 4.
शुद्धवाक्यानां समक्षम् 'आम्' अशुद्धवाक्यानां।
समक्षं'न' इति लिखत
(शुद्ध वाक्यों के सामने 'आम्' (हाँ) तथा अशुद्ध वाक्यों के सामने 'न' (नहीं) लिखो-)

(क) नित्यम् अर्थागमः अरोगिता च इति द्वयं भवेत्।
(ख) अमृतं विषं च द्वयं देहे प्रतिष्ठितम्।
(ग) उद्योगे दारिद्र्यम् अस्ति।
(घ) व्यसनेषु बान्धवान् जानीयात्।
(ङ) सत्येन अमृतम् आपद्यते।
उत्तर:
(क) आम्
(ख) आम्
(ग) न
(घ) आम्
(ङ) आम्।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत(शब्दों के विभक्ति और वचन लिखो-)
उत्तर:

क्रमांक	पदम्	शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
क.	नीचस्य	नीचः	षष्ठी	एकवचनम्
ख.	आपत्सु	आपद्	सप्तमी	बहुवचनम्
ग.	युद्धे	युद्धम्	सप्तमी	एकवचनम्
घ.	क्षीणेषु	क्षीणम्	सप्तमी	बहुवचनम्
ङ.	धने	धनम्	सप्तमी	एकवचनम्
च.	गुणदोषयोः	गुणदोषः	षष्ठी/सप्तमी	द्विवचनम्
छ.	निर्धनस्य	निर्धनः	षष्ठी	एकवचनम्
ज.	मौने	मौनम्	सप्तमी	एकवचनम्
झ.	व्यसनेषु	व्यसनम्	सप्तमी	बहुवचनम्
ञ.	बान्धवान्	बान्धवः	द्वितीया	बहुवचनम्

(नीति के श्लोकों में नीति होती है। जीवन के विषय में, समाज के विषय में, राष्ट्र के विषय में, धर्म, वैराग्य, संस्कार और परोपकार आदि के विषय में प्रामाणिक, अच्छा चिन्तन और वैज्ञानिक चिन्तन नीति के श्लोकों में पाया जाता है। संस्कृत में नीति को आधार बनाकर श्लोक रचना करने की और शतक (सौ श्लोकों का संग्रह) रचना करने की परम्परा अति प्राचीन है। वस्तुतः थोड़े शब्दों के
द्वारा प्रतिष्ठित भावों का, उदात्त विचारों का
और श्रेष्ठ विषयों का महत्वपूर्ण विवरण नीति के
श्लोकों में पाया जाता है।